ज़ी के रेडिओ की आवाज़ गूँजेगी अमरीकी घरों में: पुनीत गोयनका

ज़ी एंटरटेनमेंट लि. के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवँ प्रबंध निदेशक श्री पुनीत गोयनका ने कहा कि उनके मीडिया समूह ने रेडियो बिजनेस के जरिए अमेरिकी बाजार में उतरने की योजना बना रखी है। 19वें व्हार्टन इंडिया इकनॉमिक फोरम में गोयनका ने कहा, 'उपभोक्ताओं के साथ जुड़ाव बढ़ाने के लिए हमारी योजना अमेरिकी बाजार में रेडियो उद्यम लेकर पहुंचने की है।'

श्री गोयनका ने कहा कि एक अग्रणी मीडिया कंपनी होने के नाते ज़ी एंटरटेमेंट का लक्ष्य अमेरिका में उपभोक्ता के साथ संपूर्ण जुड़ाव का परिवेश बनाना है ताकि उसे बेहतर मनोरंजन कंटेंट दिया जा सके। उन्होंने कहा, 'जहां भारत एक राष्ट्र के रूप में सपने पूरा करने की पूरी तैयारी में है, वहीं ज़ी ने हर उस चीज को लेकर कमर कस ली है जो उसे उभरते बाजारों के अग्रणी वैश्विक मीडिया ब्रांड बना दे।' उन्होंने उल्लेख किया कि ज़ी एंटरटेनमेंट ने एक कंपनी के बतौर अमेरिका के मीडिया व मनोरंजन उद्योग में आय व रोजगार दोनों ही लिहाज से काफी योगदान किया है। उन्होंने दावा किया, 'इंटरनेट के संदर्भ में, डिजिटल दायरे में हमारी पहल india.com अमेरिका में रह रहे भारतीय समुदाय के बीच दूसरे नंबर का पोर्टल बन गया है।'

श्री पुनीत गोयनका का कहना था कि अन्य वैश्विक मीडिया कंपनियां अपना कामकाज जमाने के लिए भारत पहुंची हैं। उनकी तुलना में ज़ी समूह धारा के खिलाफ चला और उसने सफलतापूर्वक दुनिया के 169 देशों में अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी, जहां वो 80 करोड़ से ज्यादा दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र में नई सरकार के गठन के पश्चात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सेट किए गए अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को भारत अपने युवाओं की शक्ति और उद्यमशीलता के स्पिरिट से प्राप्त कर लेगा।

गोयनका ने आगे कहा, 'समृद्ध कंटेंट की विशेषज्ञता और अग्रणी दृष्टि के साथ ज़ी में हम लोगों ने वैश्विक रुझानों को महसूस करके और कस्टमाइज्ड कंटेंट समाधान पेश करके तमाम अंतरराष्ट्रीय इलाकों में कुछ सफल रणनीतिक कदमों को लागू किया है।' गोयनका का कहना था कि ज़ी का अंतिम उद्देश्य एक वैश्विक ब्रांड बनना है। उन्होंने कहा, ' भविष्य के लिए हम वैश्विक कंटेंट प्रॉपर्टीज पर काम कर रहे हैं जो विशेष रूप से वैश्विक दर्शकों की जरूरत पूरा करेगी। साल 2020 तक हमारा लक्ष्य दुनिया के शीर्ष मीडिया समूहों में जगह बनाने और दुनिया भर में एक अरब से ज्यादा लोगों का मनोरंजन करना है।'

भारतीय मीडिया व मनोरंजन उद्योग की बात करते हुए गोयनका ने कहा कि इसके विकास की अनुमानित सालाना चक्रवृद्धि दर (सीएजीआर) 15 प्रतिशत है, जबकि दुनिया के मीडिया व मनोरंजन उद्योग की विकास दर मात्र 4 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, 'भारतीय उद्योग का आकार साल 2018 तक 29 अरब डॉलर से ज्यादा हो जाने की उम्मीद है।' उनका कहना था, 'यह उद्योग निश्चित रूप से देश की

अर्थव्यवस्था के लिए तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र है। दुनिया में अपना लचीलापन साबित करते हुए भारतीय मीडिया व मनोरंजन क्षेत्र विकास के एक मजबूत चरण पर पहुंच चुका है। आज के समय में इंटरनेट अधिकांश लोगों के लिए मनोरंजन का प्रमुख माध्यम बन गया है। औद्योगिक नीति व संवर्धन विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले चार सालों के दौरान सूचना व प्रसारण के क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 4 अरब डॉलर के आसपास रहा है।'

मनोरंजन की खपत के क्षेत्र में उन्नत टेक्नोलॉजी की बात करते हुए गोयनका ने 4के और 4जी के उदाहरण दिए। उन्होंने कहा, 'उदाहरण के लिए 4के टेक्नोलॉजी देखने के अनुभव को समृद्ध बनाने और प्रीमियम कंटेंट की खपत का एक नया क्षेत्र खोलेगी। 4जी समृद्ध कंटेंट देने के लिए उपभोक्ता को सशक्त बनाएगा और इसने समग्र पारिस्थितिकी तंत्र को एक नया आयाम दिया है।' उन्होंने यह भी कहा कि भारत के अनुकूल विनियामक वातावरण और हाल के सुधारों से मीडिया व मनोरंजन क्षेत्रों में निवेश के कई अवसर पैदा हो रहे हैं।

.